Result Mitra Daily Magazine

संवैधानिक संस्था

❖ हालिया संदर्भ :

- पिछले कुछ दशकों से संवैधानिक निकायों की प्रतिष्ठा, अखंडता एवं स्वायत्तता पर लगातार चिंताएं जताई जा रही है, जिसमें हालिया समय में पूजा खेड़कर मामला, 2024 के लोकसभा चुनाव एवं RBI एक्ट की धारा–7 आदि नए जुड़े मुद्दे हैं।

❖ संवैधानिक निकाय :

- ऐसी संस्थाएं या प्राधिकरण, जिनकी शक्तियां, कर्तव्य एवं संरचनाएं स्पष्ट रूप से संविधान में परिभाषित है, इस श्रेणी में आते हैं।
- ऐसी संस्थाओं की भूमिकाएं प्रशासनिक कार्यों से आगे तक विस्तृत है क्योंकि इन्हें सरकारी शक्ति पर जांच एवं नियंत्रण स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- ऐसी संस्थाएं पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए लोकतंत्र को मजबूती देने के लिए बनाए गए हैं।
- उदाहरणस्वरूप CAG (नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक) सरकारी व्यय का ऑडिट कर वित्तीय जवाबदेही सुनिश्चित करता है, वहीं UPSC या राज्य लोक सेवा आयोग सिविल सेवाओं में योग्यता आधारित भर्ती सुनिश्चित करके जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं।
- वित्त आयोग जहां वित्तीय संसाधनों का केंद्र एवं राज्यों के बीच उचित वितरण को सुनिश्चित कर संघीय ढांचे को मजबूती देता है, वहीं निर्वाचन आयोग निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से चुनाव आयोजित करवाता है।

❖ अन्य प्रमुख संवैधानिक निकाय :

- भारत के महान्यायवादी
- राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
- राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग
- राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग
- उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय
- ग्राम पंचायती व्यवस्था

❖ चुनौतियां :

- संवैधानिक निकायों को आसानी से भंग नहीं किया जा सकता है या सरकार द्वारा हेर–फेर नहीं किया जा सकता है। हालांकि ऐसे निकायों एवं सरकार के बीच संबंध जटिल होते हैं, विशेषकर तब जब इन्हें राजनीतिक दबावों का सामना करना पड़ता है।

❖ सांविधिक निकाय/वैधानिक निकाय :

- इनमें ऐसी संस्थाएं शामिल होती है, जिन्हें संसद या राज्य विधान मंडल द्वारा पारित अधिनियम के तहत स्थापित किया गया है।
- ऐसी संस्थाएं संविधान के बजाय एक्ट के कानूनों से शक्ति प्राप्त करते हैं।
- नीतियों को लागू करने, नियामक निगरानी करने एवं क्षेत्र–विशिष्ट चुनौतियों का समाधान प्रदान करने में इन निकायों का महत्वपूर्ण योगदान है।
- ज्यादातर ऐसे निकाय क्षेत्र–विशेष में विशेषज्ञता लाते हैं, जैसे SEBI (प्रतिभूति बाजार), NGTC (पर्यावरण संरक्षण), IRDAI (बीमा क्षेत्र) आदि।

❖ महत्वपूर्ण वैधानिक निकाय :

- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI)
- केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC)
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC)
- राष्ट्रीय महिला आयोग (NWC)
- भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (TRAI)
- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)

❖ गैर–संवैधानिक, गैर–वैधानिक :

- संवैधानिक एवं वैधानिक/सांविधिक संस्थाओं के अलावा कुछ ऐसे भी निकाय राज्य एवं केंद्र स्तर पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जो ना तो संवैधानिक है और न ही सांविधिक, बल्कि इनकी स्थापना सरकार के एक कार्यकारी आदेश से हुई है।

❖ महत्वपूर्ण संस्थाएं :

Result Mitra

- योजना आयोग (अब नीति आयोग)
- राष्ट्रीय विकास परिषद

Result Mitra